आध्यात्मिक शास्त्र वेत्ता – एनीबिसेंट

19वी शताब्दी और 20वी शताब्दी के आरम्भ में जो महापुरुष हुए उनमें एनीबिसेंट प्रमुख है। अनेक वर्षो तक उन्होंने थियोसॉफिकल सोसायटी के अध्यक्षपद पर काम किया और ऐसा काम किया कि लोग हमेशा याद करत रहेंगे।

यद्यपि वे पश्चिमी देशों से आई थीं परन्तु भारतीय भाव व सिद्धांता को पूरी तरह समझ गई थीं। वे परिपूर्ण आध्यात्मिक शास्त्रवेत्ता होने पर भी राजनीति के विरुद्ध नहीं थीं – एक वर्ष तक वे इण्डियन नेशनल कांग्रेस की अध्यक्ष भी रहीं।

हर पिरामिड मास्टर को उनका जीवन – चरित तथा रचनाएँ अवश्य पढ़नी चाहिए। आध्यात्मिकता का दूसरा नाम है एनाबिसेंट। उनके शरीर के प्रत्येक अणु में आध्यात्मिकता भरी है। हर पिरामिड मास्टर एनीबिसेंट जैसा बनने का इरादा रखता है। उनको हमारा हज़ारों करोड़ों प्रणाम।